# — ई० इ० कम्पनी के अधीन भारत में भू-राजस्व व्यवस्था —

स्थायी बन्दोबस्त — 19% भूमि पर (बंगाल, बिहार, उड़ीसा, बनारस एवं उत्तरी कर्नाटक)

महालवाड़ी — 30% भूमि पर (उत्तर प्रदेश, मध्य प्रान्त, पंजाब में कुछ परिवर्तनों के साथ)

रैयतवाड़ी — 51% भूमि पर (मद्रास, बम्बई, असम आदि)

— स्थायी बन्दोबस्त में कुल लगान का 89% जमींदारों से प्राप्त करके 11% उनके हिस्से में छोड़ दिया जाता था। लार्ड कार्नवालिस। 10 वर्ष के लिए

— महालवाड़ी में ग्रामों के समूह या महाल से इकट्ठा लगान वसूला जाता था यह पूर्वकालिक नवाबों की लगान से काफी ज्यादा थी जो पहले वर्ष में ही 20 लाख रुपये अधिक थी। तीन वर्ष बीतते बीतते 10 लाख रुपये और वार्षिक वृद्धि कर दी गयी।

1822 में ~~लार्ड~~ मेकेन्जी द्वारा पुनः सर्वेक्षण कराये गये लगान को लागू कर दिया गया जो अत्यधिक था।

रैयतवाड़ी को टामस मुनरो (1820-27) एवं रीड ने लागू किया।

1824-28 तक प्रिंगल ने भूमि का सम्यक सर्वेक्षण कर राज्य का भाग शुद्ध उपज का 55% निर्धारित किया जो अन्यायपूर्ण था फलतः कृषक कृषि से विमुख होने लगे। खेत बंजर होने लगे।

Scanned with CamScanner

1833 के रेग्यूलेशन में विशेष सहूलियत बरती गयी। भूमि के अनुसार भिन्न-भिन्न औसत भाटक (किराया) विनिश्चित किये गये।

इस नयी योजना की शुरुआत मार्टिन बर्ड की निगरानी में लागू हुई। उन्हें उत्तरी भारत में भूमि कर व्यवस्था के प्रवर्तक के नाम से जाना जाता है।

इसमें भाटक 66% निश्चित किया गया किन्तु यह अधिक होने की वजह से सफल नहीं हो सका। आगे डलहौजी ने इसका पुनरीक्षण कर 50% निर्धारित किया।

1835 में एल्फिन्सटन विनगेट को भूमि सर्वेक्षण का अधीक्षक नियुक्त किया गया। उन्होंने 1847 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की।

इसमें जिले के भूगर्भ स्थिति एवं कृषकों की देय क्षमता के आधार पर लगान तय किया गया। यह व्यवस्था 30 वर्ष के लिए निश्चित की गयी परन्तु यह भी कठोरता पर आधारित थी।

भू व्यवस्था का पुनः कार्य 1868 में प्रारम्भ किया गया। अमेरिकी गृह युद्ध के परिणामस्वरूप कपास के मूल्य में वृद्धि हो गयी। इस वृद्धि के कारण सर्वेक्षण अधिकारियों को 66% से 100% तक भू कर बढ़ाने का मौका मिला। इसके एवज में कृषकों को न्यायालय में अपील करने का अधिकार नहीं था।

इस कठोरता के कारण 1875 में कृषि उपद्रव हुए। इससे प्रेरित होकर सरकार ने 1879 में दक्कन राहत अधिनियम पारित किया। जिसमें कृषकों को साहूकारों के विरुद्ध संरक्षण प्राप्त हुआ।

Scanned with CamScanner